Family of Shirdi Sai Baba

Office-Cum-Training Center : E-6, 1st Floor, Basti Vikas Kenera, Sultan Puri, Delhi-110086
Website :- familyofshirdisai.org Email:- fssbngo@gmail.com Ph:- 65691733/8585924140

Delhi Picnic 2017

फैमिली ऑफ शिरड़ी सांई बाबा द्वारा पिछले रविवार 19/11/2017 की सुबाह सेंटर के बच्चों को ई–6, बस्ती विकास केन्द्र, सुल्तानपुरी दिल्ली से दिल्ली पिंकनिक के लिए बच्चों को ले जाया गया। यह छात्रों के लिए बहुत आवश्यक ब्रेक था। सबुहा 8:00 बजे सभी छात्र व स्टाफ के साथ बस में बैठकर रास्ते पर गाने गाते, गेम खेलते हुऐ यात्रा का आरम्भ किया। इस भ्रमण में विकलांग एवं सामान्य विद्यार्थियों को दिल्ली के निम्न ऐतिहासिक स्मारको की सैर कराई गई :– जिसमें से ये प्रमुख स्थल है :–

1. इस्कॉन मंदिर
2. बिरला मंदिर
3. हुमायुं का मकबरा
4. त्रिमूर्ति भवन
5. बांग्ला साहिब

इस्कॉन मंदिर :– यात्रा की शुरूआत इस्कानॅ मंदिर से की गई, जहां हिन्दू धर्म की लोकप्रिय रूप में भगवन श्री राधा कृष्णा मंदिर के रूप में जाना जाता हैं। यह एक हिंदू मंदिर है जोकि मुख्य रूप से भगवान राधा कृष्णा को समर्पित समृद्ध दिल्ली में स्थित है। यहां के लोगों से इस मंदिर की विशेषताओं के बारे में जानकारी मिली कि स्वामी प्रभुपादजी ने पूरे विश्व में भगवान कृष्ण के संदेश को पहुचाने के लिए इस मंदिर की स्थापना की थी। स्वामी प्रभुपादजी ने संन्यास लेकर पूरे विश्व में हरे रामा हरे कृष्णा का प्रचार किया। इस समय पूरे विश्व में करीब 400 इस्कान मंदिर है। इस्कॉन के अनुयायी विश्व में गीता एवं हिन्दू धर्म एवं संस्कृति का प्रचार–प्रसार करते है। इस ऐतिहासिक मंदिर की जानकारी ली। बच्चों ने इस मंदिर का आनंद लिया और एक शान्दर समय बिताया।

बांग्ला साहिब गुरूद्वारा :– फैमिली ऑफ शिरड़ी सांई बाबा के बच्चों को बांग्ला साहिब बुरूद्वारा का भ्रमण कराया गया। सभी बच्चों को बताया गया कि भारत मे सबसे प्रसिद्ध सिख गुरूद्वारा या पूजा के गुहस्थों में से एक है। गुरूद्वारा में एक सरोवर भी था जिसमे सभी बच्चों ने उस सरोवर के जल से अपना अपना चहेरा धोया। बच्चों को इस जगह की वास्तविक सिथित और सुंदरता के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। इस मंन्दिर में हिन्दू और अंग्रेज भक्तों को देखकार व उन्हें भक्ति में झूमता देखकार दिल खुश हो गया था। यहां हमे सबसे अच्छा तब लगा जब हमने एक गुडिया सी दिखने वाली अंग्रेज लड़कियो के साथ फोटो खिचवाई।

Delhi Picnic 2017

बिरला मंदिरः– इसी के साथ यात्रा का अगला स्थल बिरला मंदिर था। बिरला मंदिर नई दिल्ली के स्वच्छछ एवं शांत वातावरण में स्थित है। मंदिर के सामने पहुँचते ही इसकी विशाल एवं भव्य संरचना दिखाई पड़ती है। समाने की दीवार में एक प्रवेश दुवार है जो बड़े ही कलात्मक ढ़ंग से बनाय गया है। प्रतिदिन पर्यटक एवं भक्तगणर मंदिर में भगवान के दर्शनों के लिए आते है। मंदिर के केंद्रिय कक्ष में भगवान कृष्ण की सुंदर प्रतिमा लगी है। अंदर दीवारो पर भित्तिचित्रों में रामायण एवं महाभारत की कथाएं चित्रित है। यहां के पवित्र एवं मनोरम दृश्य को देखकर सभी का मंन प्रशन्न हो गया।

सुंदर नर्सरी और हुमायुं कब्र :– संस्था के बच्चों ने अपने अध्यपकों के साथ व नर्सरी के माली के साथ सुंदर नर्सरी का दौरा किया। बच्चों ने वनस्पति के क्या–क्या लाभ होते है इन बनस्पति का ज्ञान बढ़ाया। इस खूबसूरत नर्सरी के समाने, था विश्व विरासत स्थल हुमायूं कब्र जो हमारी विश्व धरोहर थी। बच्चों ने इस ऐतिहासिक स्मारक का दौरा किया। इस जगह को दिखाने का लक्ष्य छात्रों के बीच भारत की समृद्ध विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरे ने छात्रों को उनके देश की समृद्ध विरासतके बारे में गर्व महसूस हो।

तीन मूर्ति भवन :– संस्था के बच्चों को तीन मूर्ति भवन का दौरा करवाया गया। विद्यार्थियों को तीन मूर्ति भवन अध्ययन के लिए विशेष जानकारी दी गई। बताया गया कि तीन मूर्ति भवन में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं0 जवाहर लाल नेहरू का आवास था। उनके जीवन की झलक आज भी यहां उनके छाया–चित्रों में देखी जा सकती है। सीढ़ी नुमा गुलाब उद्यान एवं एक दूरबीन यहां के प्रमुख आकर्षण है। इसी गुलाब उद्यान से नेहरू जी अपनी शेरवानी का गुलाब चुना करते थे। नेहरू जी के जीवन से संबंधित बहुत सी वस्तुएं यहां संरक्षित रखी हुई है। यह वास्तव में छात्रों के लिए एक समुद्ध अनुभव था क्योंकि यह न केवल उनके नियमित दिनचर्या से एक ब्रेक था बल्कि हमारी सम्यताओं के बारे में जानकारी भी थी जो बच्चों को काफी अच्छी लगी। इसके बाद हम वापस अपने केन्द्र आ गए।

अन्त मे यही कहना चाहेगें कि जहां हमें कुछ मीठे अनुभव प्राप्त हुए वही कुछ खट्टे अनुभव भी पर फिर भी इनसे हमारा भ्रमण यादगार बन गया जिसे हम कभी नही भूलेगें। एसे भ्रमण हर वर्ष में कम से कम एक बार तो अवश्य होना चाहिए।

प्रोग्रम ऑफिसर